

प्रेषक,
के. सी. मिश्र,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,
समस्त अधिकारी,
उत्तरांचल।

वित्त अनुभाग-

विषय: माह मई, 2004 के बेतन आहरण के सम्बन्ध में।

देहरादून, दिनांक: २९. मई, २००४

महोदय,

कृपया शासनादेश संख्या-३१३/विज्ञानु०-१/२००४, दिनांक २३ अप्रैल, २००४ का सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा माह मई, २००४ का बेतन बजट आवंटन की प्रत्याशा में आहरित करने के निर्देश निर्गत किये गये थे। शासन के संझान में यह तथ्य आया है कि अधिकतर आहरण वितरण अधिकारियों को बचनबद्द मर्दों का बजट उपलब्ध नहीं कराया गया है।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि मई, २००४ का बेतन वो माह मई, २००४ के अन्त में देय है का आहरण कोषागारों द्वारा लेखानुदान में दर्शयि गये सुसंगत लेठा शीर्षक के अन्तर्गत बजट आवंटन की प्रत्याशा में आवंटित कर दिया जाय। सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी तत्काल सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/बजट अधिकारी से लेखा अनुदान की अवधि । ३५५०४ से ३१ जुलाई, २००४ तक का बजट प्राप्त करना सुनिश्चित करें, जिससे अन्य बचनबद्द मर्दों में समय से मुग्धतान सुनिश्चित किया जा सके।

बजट आवंटन की प्रत्याशा में बेतन आहरित करने के आदेश अन्तिम बार निर्गत किए जा रहे हैं। अतः प्रशासकीय विभागों का यह उत्तरदायित्व होगा कि बचनबद्द मर्दों का बजट समय से विभागाध्यक्षों के निर्वतन पर रखा जाना सुनिश्चित करायें।

भवदीय,

के. सी. मिश्र
अपर सचिव।

संख्या ३३६ ।।।/विज्ञानु०-१/२००४, तद्दिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

१. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।

२. समस्त विभागाध्यक्ष/बजट नियंत्रक अधिकारी, उत्तरांचल।

3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
4. निदेशक, सन.आई.सी. उत्तरांचल ।
5. निली सचिव, माध्युरक्षमंत्री जी ।

आज्ञा से,

के. सी. मित्र
उपर सचिव ।